

Date - 05/08/2020

Dr. Sanehlata

Asst. Professor (Guest Faculty)

Dept. of Philosophy

Women's College, Samastipur

Email Id. - Snehababli 1987 @ gmail.com

Cont. no. - 8409587640

Class - B.A. - I: (Hons.)

Topic - Objective questions - Mimamsa Philosophy
Set - 1

वस्तुनिष्ठ प्रश्न - मीमांसा दर्शन - (1)

- (1) मीमांसा ज्ञानवा पूर्व-मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक कौन थे?
 - (a) वादरायण (b) जैमिनी (c) कपिल मुनि (d) शौतम
- (2) मीमांसा दर्शन से सम्बन्धित 'मीमांसा सूत्र' ग्रन्थ की रचना की थी।
 - (a) वाकर स्वामी (b) वादरायण (c) जैमिनी (d) कुमारिल भट्ट
- (3) मीमांसा दर्शन के भट्ट मत के संस्थापक थे।
 - (a) कुमारिल (b) प्रभाकर (c) वाकर स्वामी (d) जैमिनी
- (4) जैमिनी दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थ 'त्रिपाटी नीतिनयन' के लेखक हैं।
 - (a) कुमारिल भट्ट (b) मुरारी मिश्र (c) वाकर स्वामी (d) इनमें से कोई नहीं
- (5) दृ. प्रणाली को किसने माना है?
 - (a) मीमांसा एवं बौद्ध (b) जड़ित वेदान्त एवं कुमारिल (c) जैन एवं विशिष्टाद्वैत (d) न्याय एवं मीमांसा
- (6) मीमांसा दर्शन द्वारा स्वीकृत प्रणाली हैं।
 - (a) प्रत्यक्ष, अनुमान (b) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द (c) प्रत्यक्ष अनुमान शब्द उपमान (d) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द, उपमान, अनुपलब्धि
- (7) 'अनुपलब्धि' को स्वतंत्र प्रणाली किसने माना है?
 - (a) प्रभाकर (b) कुमारिल (c) शौतम (d) जैमिनी
- (8) एक स्वतंत्र प्रणाली के रूप में अनुपलब्धि का पक्ष समर्थन किया है।
 - (a) कपिल ने (b) शौतम ने (c) कुमारिल ने (d) प्रभाकर ने
- (9) निम्नलिखित में से कौन-सा प्रणाली प्रभाकर मीमांसा को स्वीकार नहीं है?
 - (a) ~~कपिल ने~~ (b) उपमान (c) अनुमान (d) अनुपलब्धि (e) शब्दोपपत्ति
- (10) द्वैत मत मीमांसा है। वह द्विज ने कभी कुछ नहीं खाता। अतः वह रात्रि में आवश्यक खाता होगा यह किसका उदाहरण है?
 - (a) शब्दोपपत्ति (b) अनुपलब्धि (c) अनुमान (d) उपमान
- (11) निम्न में से कौन अनुपलब्धि को स्वतंत्र प्रणाली मानता है?
 - (a) शारदा (b) रामानुज (c) मीमांसा (d) न्याय

(12) ऋग्वेदी के अनुसार प्रमाण तीन हैं, परन्तु प्रमाकर ने ही अर्थात् प्रमाणी-
की जोड़ा है, वे हैं।

- (a) अर्थात् स्तं श्रुति (b) मनः पर्याय तथा ज्ञतधि (c) उपमान स्तं अर्थापत्ति
(d) ज्ञतः प्रमा तथा अर्थापत्ति

(13) अर्थापत्ति और अनुपलब्धि की वैदिक ज्ञान का स्रोत माना गया है।

- (a) सारंग्य भी (b) मीमांसा (c) पाणिनी (d) न्याय भी

(14) निम्नलिखित में से कौन-सा कव्यन असत्य है ?

- (a) पूर्व-मीमांसा दर्शन जनीधरवादी है (c) पूर्व-मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक अदि
(b) पूर्व-मीमांसा दर्शन नास्तिक है (d) महाषि ऋग्वेदी वे
(e) पूर्व-मीमांसा दर्शन नास्तिक है

(15) महाषि ऋग्वेदी के अनुसार मर्यादा ज्ञान की प्राप्ति के लिए प्रमाण हैं।

- (a) प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान (b) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द
(c) अनुमान, उपमान, अर्थापत्ति (d) उपमान, शब्द, अर्थापत्ति

(16) किस दर्शन की वैदिक दर्शन कहा जाता है ?

- (a) सारंग्य दर्शन (b) पूर्व मीमांसा दर्शन (c) उत्तर मीमांसा दर्शन (d) न्याय दर्शन

(17) मीमांसा दर्शन मानता है।

- (a) ज्ञान स्वतः अप्रामाण्य है (b) ज्ञान परतः प्राणाय है
(c) उच्च मीमांसा दर्शन (d) न्याय दर्शन
(e) ज्ञान कभी-कभी स्वतः प्राणाय है (d) ज्ञान स्वतः प्राणाय है

(18) निम्नलिखित में से कौन-सा सुशोभित है ?

- (a) मीमांसा - स्वतः अप्रामाण्य (b) मीमांसा - परतः प्राणाय
(c) वैदिक दर्शन - स्वतः प्राणाय (d) मीमांसा - स्वतः प्राणाय

(19) कौन-सा दार्शनिक निकाय प्रामाण्य की स्वतः और अप्रामाण्य की परतः मानता है ?

- (a) न्याय - वैदिक (b) वैदिक (c) पूर्व मीमांसा (d) चार्वाक

(20) निम्नलिखित कवनों में से कौन-सा कव्यन असत्य है ?

- (a) श्रुति को वेद भी कहा जाता है (b) वेद चार हैं - ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद
(c) श्रुति का वाचिक अर्थ है - सुना हुआ (d) किसी भी वेद के उपवेद नहीं होते हैं

37

1.(b)	2.(c)	3.(a)	4.(b)	5.(b)	6.(d)	7.(b)	8.(c)	9.(c)	10.(a)
11.(c)	12.(c)	13.(b)	14.(d)	15.(b)	16.(c)	17.(d)	18.(d)	19.(c)	20.(d)